



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 641]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 9, 1988/अग्राहायन 18, 1910

No. 641] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 9, 1988/AGRAHAYANA 18, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1988

का. प्रा. 1159(अ).—कंपनी बिजि बोर्ड, नई दिल्ली, नई दिल्ली का यह समाधान हो गया है कि गुजरात एग्री प्रायस इन्टरप्राइजेज लिमिटेड जो गुजरात एग्री इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड की पूर्णतः स्वामित्व समनुषंगी है और एक पूर्णतः सरकारी स्वामित्व की सरकारी कंपनी है, और जो मुख्य रूप से चावल की भूसी से तेल निकालने, भूसी तथा खाद्य श्रेणी चावल भूसी तेल विनिर्मित करने के लिए निगमित की गई थी ने, ऐसे संबंध स्थापित करना और उसे संचालित करना अपनी क्षमता और संसाधनों से बाहर पाया है। नियंत्री कंपनी गुजरात एग्री इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड, जो पूर्णतः सरकारी स्वामित्व की कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय क्षेत्र उद्योग भवन, उच्च न्यायालय के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380014 में है, के पास सभी संसाधन, जैसे कि वित्तीय विपणन विशेषज्ञता, चावल की भूसी से तेल निकालने के लिए संबंध स्थापित करने, चावल चावल भूसी तेल के निपणन का अनुभव, प्रशासनिक अनुभव, निगम

की साक्षरता और संसाधनों को सुवृद्ध करने के लिए सरकार और अन्य श्रोतों से सहायता प्राप्त करने की पावता है।

और गुजरात एग्री इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड, जो एक नियंत्री कंपनी है, उपस्कर, व्यक्ति और सामग्री के कुशल संसाधनों का उपयोग, प्रशासनिक खर्चों में नष्ट नूतन प्रसिद्धि क्षमताओं में रोजगार उपलब्ध करवा सकती है। लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात एग्री प्रायस इन्टरप्राइजेज लिमिटेड, जो गुजरात एग्री इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड की पूर्णतः स्वामित्व की समनुषंगी है, जो पूर्णतः सरकारी स्वामित्व की कंपनी है, जिन दोनों के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय क्षेत्र उद्योग भवन, उच्च न्यायालय के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद 380014 है, को एक कंपनी के रूप में समामेलित कर दिया जाना चाहिए।

और प्रस्तावित आदेश के प्राक्ष की एक प्रति पूर्वोक्त कंपनीयों अर्थात् मैसर्स गुजरात एग्री प्रायस इन्टरप्राइजेज लिमिटेड और मैसर्स गुजरात एग्री इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड को प्रकाशित करने के लिए भेजी थी। कंपनी के किसी श्रेयधारक/लेनदार से कोई आक्षेप/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

और दोनों कंपनियों, अर्थात् गुजरात एग्री प्रायस इन्टरप्राइजेज लिमिटेड और गुजरात एग्री इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड में स्कीम का और क्रमः

29 दिसम्बर, 1987 और 29 जनवरी, 1988 को हुई बोर्ड की अपनी बैठकों में पारित संकल्प द्वारा समामेलन का आरम्भ आदेश अनुमोदित कर दिया है। अतः कंपनी विधि बोर्ड, भारत सरकार के कंपनी काय विभाग की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 433(अ) तारीख 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दो कंपनियों को एक कंपनी में समामेलित करने के लिए निम्नलिखित आदेश करता है, अर्थात् :—

#### 1. संक्षिप्त नाम :

इस आदेश का संक्षिप्त नाम “गुजरात एग्री-आयल इन्टरप्राइजेज लिमिटेड और गुजरात एग्री-इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड (साममेलन) आदेश, 1988” है।

#### 2. परिभाषाएं :

- (क) “नियत दिन” से वह तारीख अर्थात् है, जिसमें यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है।
- (ख) “विघटित कंपनी” से गुजरात एग्री-आयल इन्टरप्राइजेज लिमिटेड अभिप्रेत है।
- (ग) “परिणामी कंपनी” से गुजरात एग्री-इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है।

#### 3. शयर धारण पैटर्न :

- (क) गुजरात एग्री-आयल इन्टरप्राइजेज लिमिटेड का 31 अक्टूबर, 1986 को शयरधारण पैटर्न निम्नलिखित है :

गुजरात एग्री-आयल इन्टरप्राइजेज लिमिटेड के शयरधारकों के नाम	शेयरों की संख्या	रकम
गुजरात एग्री-इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड और उसके नामनिर्देशित (सम्पूर्ण जारी की गई, प्रतिश्रुत और समावस्त पूंजी गुजरात एग्री-इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड और उसके नाम निर्देशितियों द्वारा धारित है)	6157	6,15,700

- (ख) गुजरात एग्री-इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड का 30 जून, 1986 को शयरधारण पैटर्न निम्नलिखित है :

शेयर धारक का नाम	शेयरों की संख्या	रकम
केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से (2,58,000 राज्य सरकार द्वारा और 2,48,000 केन्द्रीय सरकार द्वारा)	5,06,000	5,06,00,000

4. यह समामेलन पूर्णतया स्वामित्व अनुबंधी (अन्तरक) कंपनी का उसकी नियंत्री (अन्तरिनी) कंपनी के साथ है। अन्तरिनी कंपनी गुजरात एग्री इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड अन्तरक कंपनी गुजरात एग्री आयल इन्टरप्राइजेज लिमिटेड के पूर्णतः समावस्त 6,15,700/- रुपये की पूर्ण प्रतिश्रुत पूंजी धारित करती है जिसमें प्रत्येक 100 रुपये के 6157 शेयर हैं। यदि यह शेयर पूंजी किसी अन्य के पास धारित होती तो शेयरों का अनुपातिक आबंटन अन्तरिनी कंपनी अर्थात् गुजरात एग्री इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड में अपेक्षित होता। इस बात को ध्यान में रखते हुए समामेलन होने पर कंपनी के किसी भी शेयर का आबंटन,

अन्तरक कंपनी के 6157 शेयरों की उक्त सम्पूर्ण पूंजी के संघ में प्रावश्यक नहीं है। तबनुसार समामेलन की स्वीम को प्रभावी बनाने के लिए अन्तरिनी कंपनी से यह अपेक्षा नहीं की जाएगी कि वह अन्तरक कंपनी के 6157 साधारण शेयरों के बदले पूर्णतः समावस्त माने जाने वाले कोई साधारण शेयर जारी करे।

अतः गुजरात एग्री आयल इन्टरप्राइजेज लिमिटेड में पूर्णतः समावस्त प्रत्येक 100 रुपये के 6157 साधारण शेयर, जो गुजरात एग्री इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड के नाम में धारित हैं, रद्द हो जाएंगे।

#### 5. कंपनियों का समामेलन :

- (1) नियत दिन से ही विघटित कंपनी का उपक्रम उसके विरुद्धों के अधीन रहते हुए, यदि कोई हो, गुजरात एग्री इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड को अन्तरिनी और उक्त निर्दिष्ट हो जाएगा। यह कंपनी ठीक ऐसे व्यवस्था पर समामेलन से परिणामी कंपनी समझी जाएगी।
- (2) लेखा के प्रयोजनों के लिए समामेलन, विघटित कंपनी के 31 अक्टूबर, 1986 को यथा विद्यमान लेखा परीक्षित लेखाओं और तुल्य पत्र के प्रति निर्देश से प्रभावित होगा और उसके पराप्त सम्पत्तियों को एक समान लेखा में पूज किया जाएगा, विघटित कंपनी के किसी पश्चात्पूरी तारीख को अपना अन्तिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कंपनी विघटित कंपनी के उपक्रम की अर्थात् 31 अक्टूबर, 1986 को यथा विद्यमान तुल्य पत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्वों को ग्रहण करेगी उसके पश्चात् के सभी सम्पत्तियों का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

#### स्पष्टीकरण :—

विघटित कंपनी के उपक्रम के पराप्त होने अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार, विशेषाधिकार और सभी सम्पत्ति, जिन का समावर जिसके अंतर्गत आयतन, नियत लाइसेंस, नगदी अर्थात्, आस्तित्व, राजस्व प्रतिशे, विनिधान और ऐसे सम्पत्ति में, या उसके उद्भूत होने वाले अन्य सभी हित और अधिकार जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी के हों, और उसके संबंधित सभी बहिर्गत, लेख और दस्तावेज तथा विघटित कंपनी के उस समय विद्यमान सभी ऋण, दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं, चाहे वे किसी भी प्रकार की उस समय हो, आते हैं।

#### 6. संविदाओं प्राप्ति की व्यावृत्ति :

इस आदेश में अस्तित्व अन्य उपबन्धों को प्रयोजन रहते हुए, सभी संविदाएं, विवेक, बंधन, फायर और अन्य लिखित, चाहे वे किसी प्रकार की हों, जिनमें विघटित कंपनी एक पक्षकार है, नियत दिन के ठीक पूर्व अस्तित्व में है या प्रभाव में, परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः बलशील और प्रभावी होंगी और उन्हें ऐसे ही पूर्ण रूप से और प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो विघटित कंपनी को अन्तिम परिणामी कंपनी उसमें एक पक्षकार हो।

#### 7. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति :

यदि नियत दिन को, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई दावा, अभियोजन, अपील या किसी भी प्रकृति की अन्य विधिक कार्यवाही संघित है, तो यह विघटित कंपनी के उपक्रम की परिणामी कंपनी को अन्तरिनी हो जाने के कारण या इस आदेश में अंतर्निष्ठ किसी बात के होते हुए, भी उप-क्रमित नहीं होगी या उसे बन्द नहीं किया जाएगा अर्थात् किसी भी प्रकार से उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, किन्तु ऐसा दावा, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, अन्तर और प्रवृत्त की जा सकेंगी जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकती थी या

धरसर और प्रवर्तित की जा सकती थी या जारी रखी जा सकती, या धरसर और प्रवर्तित की जा सकती, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता।

#### 8. कराधान की बाबत उपबंध-

नियत दिन से पूर्व, विपटित कम्पनी द्वारा फिर नए कारखाने के नामों और अभिलेखों (जिसके अन्तर्गत संचित हानियाँ और अनुमेयित अवसंयोज्य भी हैं) की बाबत यथास्थिति सभी कर और करप्रतिपाद भी नियत दिन से पूर्व परिणामी कम्पनी द्वारा यथास्थिति संवेद्य या उम्मीद प्रसिद्ध होंगे। ऐसा कराधान ऐसी, रियायतों और राहतों के अधीन होगा जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन इस सम्बन्ध में परिणामस्वरूप अनुज्ञात किए जाएँ। 31 अक्टूबर, 1986 के पश्चात् विपटित कम्पनी के सभी लाभ और हानियाँ आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन परिणामी कम्पनी की संपत्तिगत लाभ या हानियाँ समझी जाएँगी। विपटित कम्पनी द्वारा 1 नवंबर 1986 को या उसके पश्चात् संघत अधिनियम कर, जिसमें स्रोत पर काटा गया कर भी है, यदि कोई हो, की अपेक्षित अधिनियम, 1961 के अधीन परिणामी कम्पनी द्वारा संसद किया गया समझा जाएगा।

9. विपटित कम्पनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध : विपटित कम्पनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विपटित कम्पनी के निदेशक को छोड़कर) नियत दिन से परिणामी कम्पनी का, दयालुता अधिकारी या कर्मचारी धन जायेगा और वह उसमें अपना पद या प्रपत्ति भेजा उसी अवधि के लिए और उन्हीं नियंत्रणों और शर्तों पर और वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जो वह, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता, विपटित कम्पनी के अधीन धारण करता और वह तब तक ऐसा करना रहेगा जब तक परिणामी कम्पनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या जब तक उम्मीदवारप्रतिष्ठ और नियोजन की शर्तें पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती।

#### 10. निदेशकों का उपबंध :

विपटित कम्पनी का प्रकीर्ण निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व उस रूप में पद धारण किये हुए हैं, नियत दिन को विपटित कम्पनी का निदेशक नहीं रहे जायेगा।

#### 11. गुजरात एग्रो-फायल इन्टरप्राइजेज लिमिटेड का विपटित :

इस आदेश के अन्वय उपबन्धों के अधीन रहते हुए नियत दिन से गुजरात एग्रो-फायल इन्टरप्राइजेज लिमिटेड हो जायेगा और कोई भी व्यक्ति विपटित कम्पनी के निदेशक या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के निदेश उसकी ऐसे निदेशक या अधिकारी को हस्तिसर में, न तो कोई बाधा करेगा और न तो कोई मांग या कार्यवाही प्रस्थापित करेगा या हटायेगा, सिवाय वहाँ तक जहाँ तक इस आदेश के उपबन्धों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हो।

#### 12. सविषय निधि की सार्वस्यता :

विपटित कम्पनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी सविषय निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 की स्कीम के अधीन उस कर्मचारी सविषय निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य हैं और नियत दिन से मिलाएँ गुजरात एग्रो-इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड, इन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत, उन्हीं दलों पर, जिन पर विपटित कम्पनी उका कर्मचारी सविषय निधि में अधिदाय कर रही थी, उक्त निधि में कर्मचारियों के अधिदाय करेगा और करता रहेगा।

#### 13. कम्पनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण :

कम्पनी विधि बोर्ड, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किये जाने के पश्चात् यथाशीघ्र, कम्पनी रजिस्ट्रार, गुजरात को इस आदेश की एक प्रति

भेजेगा जिसकी प्राप्ति पर, कम्पनी रजिस्ट्रार, गुजरात परिणामी कम्पनी द्वारा विहित फीन का संवेद्य किये जाने पर आदेश को रजिस्ट्रार करेगा और इस आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से एक मास के अन्तर, उसके रजिस्ट्रीकरण की अपने हस्ताक्षरों से प्रमाणित करेगा।

उसके पश्चात् कम्पनी रजिस्ट्रार, गुजरात अन्तर्गत कम्पनी से संबंधित अपने पास रजिस्ट्रीकृत, अलिखित या फाइल किये गये सभी दस्तावेज, सेल्स गुजरात एग्रो-इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड की विपटित साथ अन्तर्गत कम्पनी का समावेसित किया गया है, ताकि वे रद्द हो और उन्हीं संवेद्य करेगा और इस प्रकार संवेद्य दस्तावेजों की अपनी फाइल में रखेगा।

#### 14. परिणामी कम्पनी के संगम स्थापन और संगम अनुच्छेद :

गुजरात एग्रो-इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड के संगम स्थापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में वे निम्न दिना के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से परिणामी कम्पनी के साथ स्थापन और संगम अनुच्छेद हो जाएँगे।

[24/2/88-सा एल-III]

एस. कुमार, सचिव (कंपनी विधि बोर्ड)

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

### ORDER

New Delhi, the 9th December, 1988

S.O. 1159 (E).—Whereas, the Company Law Board, New Delhi is satisfied that the Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited, a wholly owned subsidiary of Gujarat Agro-Industries Corporation Limited, a wholly owned Government Company which was incorporated mainly to extract oil from Rice Bran, Brans and manufacturing Edible Grade Rice Bran Oil has found it beyond its capacity and resources to set up and run such plants.

And whereas, the holding company Gujarat Agro-Industries Corporation Limited, a wholly owned Government Company having its registered Office at Khetudyod Bhavan, Opp. High Court, Navrangpura, Ahmedabad-380014 has all the resources such as financial, marketing expertise, experience of setting plant for extracting oil from Rice Bran, marketing Edible Rice Bran Oil, administrative experience, eligibility to get subsidy from Government and other resources to strengthen the profitability and resources of the Corporation.

And whereas, the Gujarat Agro-Industries Corporation Limited the holding company can provide the use of scarce resources of equipments, personal and material, save administrative expenses, provide employment in drought hit rural areas, it is essential in the public interest that Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited which is wholly owned subsidiary of Gujarat Agro-Industries Corporation Limited, a wholly owned Government Company both having their Registered Offices at Khetudyod Bhavan, Opp. High Court, Navrangpura, Ahmedabad-380014 should be amalgamated into a single company.

And whereas, a copy of the proposed order was sent in draft to the aforesaid companies namely M/s. Gujarat Agro Oil Enterprises Ltd. and M/s Gujarat Agro Industries Corporation Ltd. for publication. No objection/suggestion was received from any shareholder of the companies.

And whereas both the Companies namely Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited and Gujarat Agro-Industries Corporation Limited have approved the Scheme and the draft order of amalgamation by resolution passed in their board meetings held on 29th December, 1987 and 29th January, 1988, respectively, and no objection is raised or suggestion is made by anyone. Therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) and (2) of Section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. GSR 443(E) dated 18th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following order to provide for the amalgamation of the said two Companies into a single Company, namely :—

### 1. SHORT TITLE :

This order may be called “the Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited and the Gujarat Agro-Industries Corporation Limited (Amalgamation) Order, 1988.”

### 2. DEFINITIONS :

In this Order unless the context otherwise requires :

- (a) “the appointed day” means the date on which the order is notified in the Official Gazette.
- (b) “dissolved Company” means the Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited.
- (c) “resulting Company” means the Gujarat Agro-Industries Corporation Limited.

### 3. SHARE HOLDING PATTERN :

- (a) The Share holding pattern of the Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited as on 31st October, 1986 is as under :—

Name of Shareholders in Gujarat Agro-Oil Enterprises limited	No. of Shares	Amount Rs.
Gjuarat Agro-Industries Corporation Limited and its nominees. (Enterie issued, subscribed and paid-up Capital is held by Gujarat Agro-Industries corporation Limited and its nominees).	6157 Equity Shares of Rs. 100/-	6,15,700/-

- (b) The Share holding pattern of Gujarat Agro-Industries Corporation Limited as on 30th June, 1986 is as under :—

Name of Shareholder	Nol of Shares	Amount Rs.
The State Government and the Central Government jointly (2,58,000/-by State Government and 2,48,000/- by Cential Government)	5,06,000 Equity Shares of Rs. 100/- each	5,06,00,000/-

4. The amalgamation is of a wholly owned subsidiary (transferor) Company with its holding (transferee) Company. The transferee Company Gujarat Agro-Industries Corporation Limited holds the entire subscribed Capital of Rs. 6,15,700/- consisting of 6157 Shares of Rs. 100/- each fully paid of the Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited, the transferor Company which if held by another, would have required allotment of proportionate Shares in the transferee Company i.e. Gujarat Agro-Industries Corporation Limited. In view of this, on amalgamation, no Shares of the transferee Company need to be allotted in respect of the said entire holding of 6157 Shares of the transferor Company. Accordingly, in order to give effect to the Scheme of amalgamation, the transferee Company is not required to issue any Equity Shares credited as fully paid-up against the said 6157 Equity Shares of the transferor Company.

Therefore, all the 6157 Equity Shares of Rs. 100/- each fully paid-up in Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited which are held in the name of Gujarat Agro-Industries Corporation Limited shall stand cancelled.

### 5. AMALGAMATION OF THE COMPANIES :

(1) On and from the appointed day, the undertaking of the dissolved Company, subject to encumbrances thereof, if any, shall stand transferred to and vest in the Gujarat Agro-Industries Corporation Limited which Company shall immediately on such transfer, be deemed to be the Company resulting from the amalgamation.

(2) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and Balance Sheet as on the 31st October, 1986 of the dissolved Company and the transactions thereafter shall be pooled into a common account, the dissolved Company, should not be required to prepare the final accounts as on any later date and the resulting Company shall take over the undertaking of the dissolved Company, i.e. all assets and liabilities according to the Balance Sheet as on 31st October, 1986, and accept full responsibility for all the transactions thereafter.

### EXPLANATION :

The undertaking of the dissolved Company shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable including import, export licences, cash balance reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights in or arising out of such property as may



belong to, or be in the possession of the dissolved Company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved Company.

#### 6. SAVING OF CONTRACTS ETC :

Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved Company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect against or in favour of the resulting Company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved Company, the resulting Company had been a party thereto.

#### 7. SAVING OF LEGAL PROCEEDINGS :

If on the appointed day, any suit, prosecution appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved Company be pending the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reasons of the Transfer to the resulting Company of the undertaking of the dissolved Company or of anything contained in this order, but the suit, prosecution, appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting Company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved Company if this order had not been made.

#### 8. PROVISIONS WITH RESPECT TO TAXATION

All taxes as well as tax refunds as the case may be in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved Company before the appointed day shall be payable by or refundable to the resulting Company as the case may be subject to such concession and reliefs as may be allowed under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation. The profits or losses of the dissolved Company after 31st October, 1986 shall be deemed to be the profit or losses as the case may be of the resulting Company under Income Tax Act, 1961. Advance Tax including tax deducted at source, if any, paid by the dissolved Company on or after 1st November, 1986 shall be deemed to have been paid up by the resulting Company under Income Tax Act, 1961.

3175 GI/88-2

#### 9. PROVISIONS RESPECTING EXISTING OFFICERS AND OTHER EMPLOYEES OF THE DISSOLVED COMPANY :

Every whole time officer or other employee (excluding the directors of the dissolved Company) employed immediately before the appointed day in the dissolved Company, shall as from the appointed day, become an officer or other employee as the case may be, of the resulting Company and shall hold office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have held the same under the dissolved Company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting Company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

#### 10. PROVISION OF DIRECTORS :

Every director of the dissolved Company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved Company on the appointed day.

#### 11. DISSOLUTION OF THE GUJARAT AGRO-OIL ENTERPRISES LIMITED :

Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day, the Gujarat Agro-Oil Enterprises Limited shall be dissolved and no persons shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved Company or against a director or an officer thereof in his capacity as such Director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

#### 12. MEMBERSHIP OF PROVIDENT FUND :

All officers and employees of the dissolved Company shall continue to be members of Employees Provident Fund under the Scheme of Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and M/s. Gujarat Agro-Industries Corporation Limited shall with effect from the appointed day make and continue to make the employees contributions to the said Employees Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved Company.

#### 13. REGISTRATION OF THE ORDER BY THE REGISTRAR OF COMPANIES :

The Company Law Board, shall as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette,

send to the Registrar of Companies Gujarat, a copy of this order, on receipt of which the Registrar of Companies, Gujarat, shall register the order on payment of the prescribed fees by the resulting Company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this order.

Thereafter, the Registrar of Companies, Gujarat, shall forthwith include all documents registered, recorded, or filed with him relating to the transferor Company on the file of M/s. Gujarat Agro Industries Corporation Limited, with whom the transferor Company has been amalgamated and consolidate these

and shall keep such consolidated documents on his file.

#### 14. MEMORANDUM AND ARTICLES OF ASSOCIATION OF THE RESULTING COMPANY.

The Memorandum and Articles of Association of the Gujarat Agro-Industries Corporation Limited, as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting Company.

[24/2/88-CI-III]

S. KUMAR, Member, (Company Law Board)